D.El.Ed 2nd Sem

5 May 2020
Tuesday

आचार्य नरेन्द्र देव समिति
1952 - 53

'आचार्य नरेन्द्र देव समिति' की नियुक्ति उत्तर प्रदेश सरकार ने मार्च 1952 में की थी। इस समिति के अध्यक्ष 'आचार्य नरेन्द्र देव' थे। इसे 'माध्यमिक शिक्षा पुनर्गठन समिति' भी कहा जाता है।

समिति का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित विषयों की जाँच करना था।

1. उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की सफलता की समीक्षा करना।
2. व्यवसायिक / व्यवहारिक विषयों का अध्ययन करने छात्रों की सफलता का निरीक्षण करना।
3. सामान्य एवं प्राविधिक शिक्षा के मध्य समन्वय स्थापित करने का प्रयास करना।

→ व्यक्तिगत त्रुटियों को दूर करने का सुझाव।

4. साहित्यिक, वैज्ञानिक, कलात्मक, रचनात्मक, सभी वर्गों की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करना।
5. व्यक्तिगत विभिन्नता के आधार पर सफलता का मूल्यांकन करना।
6. पाठ्यक्रम, प्रवेश, प्रमाणपत्र के सम्बंध मे अपने विचार प्रस्तुत करना।

भारतीय शिक्षा आयोग (1964 - 66)

14 जुलाई 1964 को अपने प्रस्ताव मे भारत सरकार ने आयोग की नियुक्ति की। इसे 'शिक्षा आयोग' कहते है। इस आयोग के अध्यक्ष प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रो० डी० एस० कोठारी थे। इनके नाम पर ही इस आयोग को 'कोठारी कमीशन' भी कहा गया।

इस आयोग की नियुक्ति के निम्नलिखित कारण एवं उद्देश्य थे —

1. स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात भारत सरकार ने देश की परम्पराओं एवं मान्यताओं के अनुरूप आधुनिक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली का विकास करने का प्रयास।
2. स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय भारत ने राष्ट्रीय विकास के एक नवीन युग में प्रवेश किया। इसके लक्ष्य — जनता की निर्धनता का अन्त। रहन - सहन का उचित स्तर। उद्योगो का तीव्र विकास।

(7) ... कालय शिक्षा।

=> देश का हित शिक्षा से सम्भव।

=> निःशुल्क शिक्षा। अनिवार्य शिक्षा व्यवस्था लागू नहीं किया जा सका।

तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ॰ राधाकृष्णनन् ने इस शिक्षा आयोग के उद्घाटन के अवसर पर कहा था - "मेरी यह इच्छा है, कि कमीशन के सभी पहलुओं प्राथमिक, विश्वविद्यालय तथा टेक्नीकल शिक्षा की जाँच करें। ऐसे सुझाव दें, जिससे हमारी शिक्षा - व्यवस्था को अपने स्तरों पर उन्नति करने में सहायता मिल सके।"

Scanned with CamScanner